

**Samyak**  
An Institute For Civil Services

**THINK IAS**

**JOIN SAMYAK**

**Samyak**

An Institute For Civil Services

**DAILY**

**CURRENT नाना**

**23 अगस्त**

**9875170111**

**SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR**

## भारत और पोलैंड कार्य योजना (2024-2028)

**पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव**

### सुर्खियों में क्यों ?

- भारत और पोलैंड ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को लागू करने के लिए एक कार्य योजना (2024-2028) को औपचारिक रूप दिया है।
- यह योजना अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करती है, जिसमें राजनीतिक संवाद, सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों से लोगों के बीच संबंध जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

### पृष्ठभूमि

- रणनीतिक साझेदारी: भारत और पोलैंड ने 1954 से राजनयिक संबंध बनाए रखे हैं, और 2019 में उनके संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ा दिया गया। यह साझेदारी विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए आपसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

### वैश्विक संदर्भ

- यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देश यूरोपीय संघ (ईयू) और संयुक्त राष्ट्र (यूपीएन) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के ढांचे के भीतर अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।
- कार्य योजना व्यापक वैश्विक रणनीतियों के साथ संरेखित है, जिसमें वैश्विक गतिशीलता के बीच यूरोपीय देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने के भारत के प्रयास शामिल हैं।

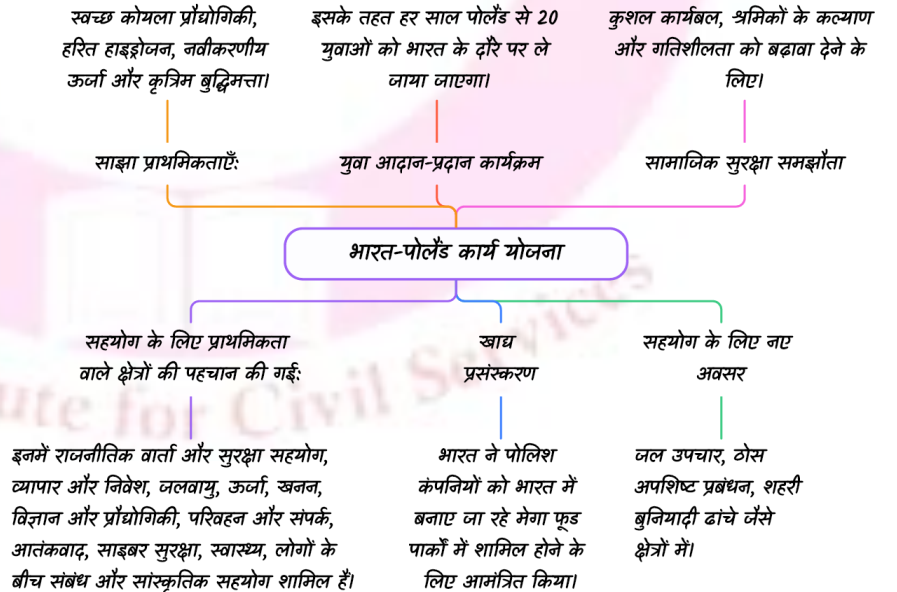
### प्रधानमंत्रियों की वार्ता

- भारत और पोलैंड के प्रधानमंत्रियों के बीच हाल ही में हुई वार्ता का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना था। कार्य योजना (2024-2028) इन चर्चाओं का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो व्यापक भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत-पोलैंड संबंधों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

#### शामिल सहयोग समझौता:

- अंतरिक्ष और वाणिज्यिक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के "टिकाऊ और सुरक्षित" उपयोग को बढ़ावा देना।
- मानव और रोबोट अन्वेषण को बढ़ावा देना।
- पोलैंड ने अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में शामिल होने की भारत की महत्वाकांक्षा को मान्यता दी।





- **यूएनएससी 1267 प्रतिबंध समिति:** यह समिति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 1267 प्रस्ताव के तहत आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

## मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण



## राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदाओं को रोकने के लिए 189 उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों की निगरानी करेगा

**पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-1:** भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसे महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ

### सुर्खियों में क्यों ?

- हिमालय में अतिप्रवाहित हिमनद झीलों (जैसे, सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील) से होने वाली आपदाओं के बाद, एनडीएमए ने उनसे उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम करने के लिए शमन उपायों हेतु 189 "उच्च जोखिम" वाले हिमनद झीलों की सूची को अंतिम रूप दिया है।

#### पृष्ठभूमि

- हिमनद झील के फटने से उत्पन्न बाढ़(जीएलओएफ): जीएलओएफ तब होता है जब ग्लेशियर या मोरेन द्वारा बांधा गया पानी अचानक छूट जाता है, जिससे अक्सर विनाशकारी बाढ़ आ जाती है। हिमालयी क्षेत्र, अपनी असंख्य ग्लेशियल झीलों के साथ, ऐसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से संवेदनशील है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक बार हो रही हैं।

#### दक्षिण ल्होनक झील आपदा

- 3 अक्टूबर, 2023 को सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील के तटबंध टूट गए, जिसके परिणामस्वरूप भयंकर बाढ़ आई, जिसमें कम से कम 40 लोगों की जान चली गई और चुंगथांग बांध के नष्ट होने सहित व्यापक क्षति हुई। इस आपदा ने ग्लेशियल झीलों से जुड़े जोखिमों के प्रबंधन के लिए सक्रिय उपायों की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया।

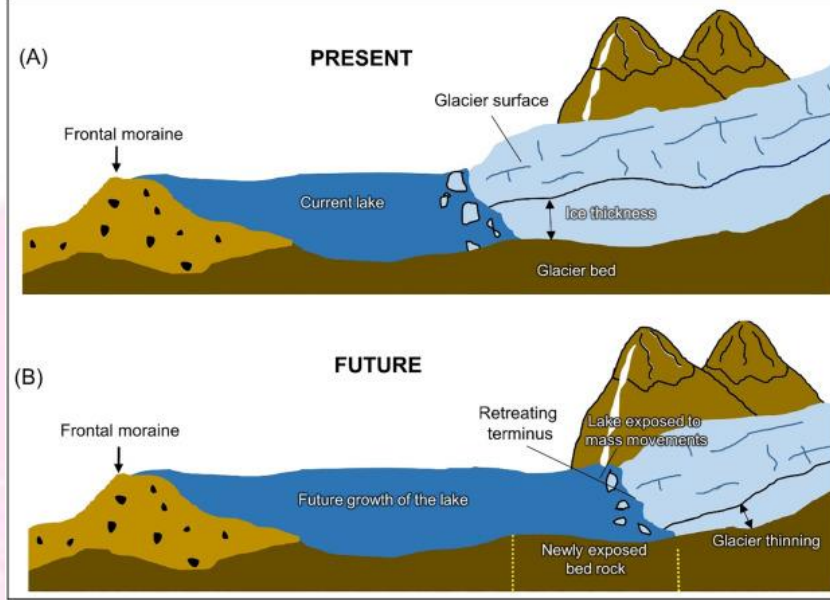
#### जोखिम शमन कार्यक्रम

- **राष्ट्रीय हिमनद झील विस्फोट बाढ़ जोखिम शमन कार्यक्रम:** 25 जुलाई, 2023 को स्वीकृत कार्यक्रम एक केंद्र सरकार की पहल है जिसका उद्देश्य हिमालय में उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों से होने वाले जोखिमों की पहचान करना और उन्हें कम करना है। कार्यक्रम में तकनीकी आकलन, निगरानी और जीएलओएफ की संभावना को कम करने के लिए निवारक उपायों का कार्यान्वयन शामिल है।

## प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

### हिमनद झील के विस्फोट से उत्पन्न बाढ़ (जीएलओएफ):

- **इसके बारे में:** एक प्रकार की भयावह बाढ़ जो तब होती है जब हिमनद झील वाला बांध टूट जाता है, जिससे बड़ी मात्रा में पानी बह जाता है।



- **कारण:** ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना या भारी वर्षा या पिघले पानी के प्रवाह के कारण झील में पानी का जमाव।
- **ट्रिगर:** ग्लेशियर के आयतन में परिवर्तन, झील के जल स्तर में परिवर्तन और भूकंप सहित कई कारकों से ट्रिगर होता है।
  - हिंदू कुश हिमालय के अधिकांश भागों में जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनदों का पीछे हटना, जिससे नई हिमनद झीलें बन रही हैं।

## मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण

### हिमनद झील के विस्फोट से उत्पन्न बाढ़ (GLOF)

#### समाधान

1. रिमोट सेंसिंग और सैटेलाइट मॉनिटरिंग: सैटेलाइट इमेजरी और रिमोट सेंसिंग तकनीकों के इस्तेमाल से ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी की जा सकती है, यहां तक कि दुर्गम क्षेत्रों में भी। इस डेटा का इस्तेमाल संभावित जोखिमों की पहचान करने और शुरूआती चेतावनी देने के लिए किया जा सकता है।
2. अंतर-राज्यीय समन्वय: GLOF जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए भारत में कई राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता है। NDMA को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के साथ साझेदारी में समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए।
3. सामुदायिक जहाज और जागरूकता: ग्लेशियर झीलों से जुड़े जोखिमों और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के महत्व के बारे में स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाने से GLOF के प्रभाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

#### चुनौतियाँ

1. भूभाग की दुर्गमता: उच्च जोखिम वाली अधिकांश हिमनद झीलें हिमालय के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं, जिससे साइट पर आकलन करना और शमन उपायों को लागू करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। अभियान केवल जुलाई से सितंबर तक की छोटी अवधि के दौरान ही चलाए जा सकते हैं, जिससे प्रयास और जटिल हो जाते हैं।
2. तकनीकी और इंजीनियरिंग चुनौतियाँ: GLOF के जोखिम को कम करने के लिए अक्सर उन्नत सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों की आवश्यकता होती है, जिन्हें ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में लागू करना मुश्किल हो सकता है। झील के स्तर को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए कई अभियान और बार-बार प्रयास आवश्यक हैं।
3. जलवायु परिवर्तन: जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव से हिमालयी क्षेत्र में GLOF की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ रही है। यह आपदा प्रबंधन अधिकारियों के लिए एक सतत चुनौती है, क्योंकि नए जोखिमों को संबोधित करने के लिए पारंपरिक शमन रणनीतियों को लगातार अनुकूलित करने की आवश्यकता हो सकती है।

**अन्य खबरें**

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
<p><b>कलम</b> (कालमेझुथु)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>इसके बारे में: <b>केरल</b> में पाई जाने वाली कला का एक अनूठा रूप। यह ग्रामीण घरों के सामने बनाई जाने वाली <b>रंगोली के समान</b> है।</li> <li>यह केरल के <b>मंदिरों और पवित्र उपवनों</b> में की जाने वाली एक अनुष्ठानिक कला है, जहाँ फर्श पर <b>माता काली और भगवान अयप्पा जैसे देवताओं का चित्रण</b> किया जाता है।</li> <li>चित्रण: कालमेझुथु को बिना किसी औज़ार के, <b>हाथों से</b> किया जाता है। इसमें आम तौर पर <b>पाँच रंगों के प्राकृतिक रंगद्रव्य और पाउडर का</b> उपयोग किया जाता है।</li> <li>भाव: बनाई गई आकृतियों में आमतौर पर <b>क्रोध या अन्य भावनाओं</b> की अभिव्यक्ति होती है। साथ ही तेल के दीये जलाकर उन्हें रणनीतिक स्थानों पर रखा जाता है जिससे रंग और निखर के आते हैं।</li> <li>धार्मिक गीत: 'कलम' के पूरा होने पर, देवता की पूजा में गीत गाए जाते हैं।</li> <li>'कलम' का निर्माण एक निश्चित समय पर शुरू किया जाता है और इससे संबंधित धार्मिक क्रियाएं समाप्त होने के तुरंत बाद इसे मिटा दिया जाता है।</li> </ul> 
<p><b>ताइवान जलडमरूमध्य/ फॉर्मोसा जलडमरूमध्य</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>सुर्खियों में क्यों</b> - हाल ही में एक अमेरिकी युद्धपोत ने ताइवान जलडमरूमध्य से होकर यात्रा की, जिसका उद्देश्य वाशिंगटन की "नौवहन की स्वतंत्रता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता" को प्रदर्शित करना था।</li> </ul>  <p>ताइवान द्वीप और महाद्वीपीय एशिया को अलग करने वाला 180 किलोमीटर चौड़ा जलडमरूमध्य</p> <p>पूर्वी चीन सागर</p> <p>दक्षिण चीन सागर</p> <p>मध्य रेखा: शीत युद्ध के दौरान चीनी मुख्य भूमि और ताइवान के बीच ताइवान जलडमरूमध्य में एक अनीपचारिक विभाजन रेखा खींची गई थी ताकि दो विरोधी पक्षों को अलग किया जा सके और टकराव के जोखिम को कम किया जा सके।</p>
<p><b>गाज़ा पट्टी</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li><b>इसके बारे में:</b> भूमध्य सागर के पूर्वी तट पर एक फिलिस्तीनी एन्क्लेव।</li> <li><b>सीमाएँ:</b> दक्षिण-पश्चिम में 11 किलोमीटर तक मिस्र और पूर्व और उत्तर में 51 किलोमीटर की सीमा पर इज़राइल।</li> </ul>



- **नियंत्रण:** गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर फ़िलिस्तीन दावा करता है।
- **शासन:** जून 2007 में गाजा की लड़ाई के बाद से, यह हमास द्वारा शासित है, जो एक उग्रवादी, फ़िलिस्तीनी, कट्टरपंथी इस्लामी संगठन है, जो 2006 में हुए चुनावों में सत्ता में आया था।



### प्रारंभिक परीक्षा 2018 से प्रश्न

कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित पद "टू-स्टेट सोल्यूशन" किसकी गतिविधियों के संदर्भ में आता है ?

- चीन
- इज़राइल
- इराक
- यमन

**डिजिटल सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण**

- **सुर्खियों में क्यों -** डिजिटल सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन से पहले, केंद्र ने हाल ही में फसल उत्पादन के आंकड़ों में सुधार पर चर्चा करने के लिए राज्यों के साथ एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- **इसके बारे में:** विभिन्न फसलों की पैदावार का सटीक आकलन करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी पहल।
- **तंत्र:** फसल कटाई प्रयोगों के सिद्धांतों पर आधारित एक सावधानीपूर्वक तैयार की गई सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग करता है।
- **लाभ:** जीपीएस-सक्षम फोटो कैंचर और स्वचालित प्लॉट चयन जैसी अभिनव सुविधाओं के साथ, यह प्रणाली के भीतर पारदर्शिता और सटीकता को बढ़ाता है।

**कोडईकनाल सौर वेधशाला**

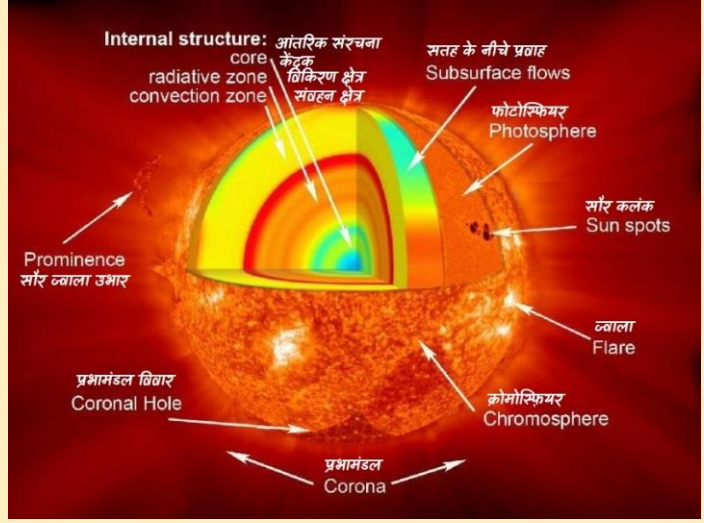
- **सुर्खियों में क्यों -** भारतीय खगोलभौतिकी संस्थान (आईआईए) के खगोलविदों ने सौर वायुमंडल की विभिन्न परतों पर चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन करके सूर्य के रहस्यों की गहराई से जांच करने का एक नया तरीका खोजा है। खगोलविदों ने आईआईए के कोडईकनाल टॉवर टनल टेलीस्कोप से प्राप्त डेटा का उपयोग करके ऐसा किया है।

### सौर वायुमंडल की परतें

- **फोटोस्फीयर:** सबसे भीतरी दृश्यमान परत जो सूर्य का प्रकाश उत्सर्जित करती

हैं, जिसका तापमान 6,125 से 4,125 डिग्री सेल्सियस तक होता है और इसमें सनस्पॉट और कणिकाएँ होती हैं।

- **क्रोमोस्फीयर:** लाल रंग की चमक के रूप में अत्यधिक गर्म हाइड्रोजन उत्सर्जित करता है।
- **कोरोना:** सबसे बाहरी परत, जो पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान या विशेष उपकरणों से दिखाई देती है। आयनित गैस की सफेद धाराएँ अंतरिक्ष में



## कोडईकनाल सौर वेधशाला

- इसके बारे में: भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के स्वामित्व वाली और उसके द्वारा संचालित एक सौर वेधशाला।
- स्थापना: 1899
- स्थान: पलानी पहाड़ियों का दक्षिणी सिरा।
- उपलब्धि: एवरशेड प्रभाव (सूर्य पर सनस्पॉट के बाहरी क्षेत्र में देखी गई गैस का स्पष्ट रेडियल प्रवाह) का पहली बार जनवरी 1909 में पता चला था।

## भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA)

- इसके बारे में: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान।
- मुख्यालय: बंगलुरु
- कार्य: यह मुख्य रूप से खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान करता है।
- स्थापना: 1971

बाहर की ओर प्रवाहित होती है। यहाँ का तापमान 2 मिलियन डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है।

## धनगर समुदाय

- **इनके बारे में -** वे पशुपालकों का एक बड़ा समूह हैं जो ज्यादातर पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में रहते हैं।
- **वितरण:** मुख्य रूप से गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र
- धनगर समुदाय महाराष्ट्र में विमुक्त जाति और खानाबदोश जनजातियों (वीजेएनटी) की सूची में हैं।
- वे काफी हद तक एकांत जीवन जीते हैं और मुख्य रूप से जंगलों, और पहाड़ों में घूमते हैं।
- **समाज:** धनगर परिवार आम तौर पर छोटे, घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए इकाइयाँ होते हैं, जहाँ परिवार एक केंद्रीय भूमिका निभाता है।
- जनसंख्या: लगभग 1 करोड़ (महाराष्ट्र की कुल आबादी का लगभग 9%) होने का अनुमान है।
- **व्यवसाय:** वे अपनी आजीविका के प्राथमिक साधन के रूप में भेड़ और बकरी चराने पर निर्भर हैं। वे ग्रामीण क्षेत्रों में खानाबदोश चरवाहे और अर्ध-खानाबदोश और कृषि जीवन शैली दोनों का पालन करते हैं।

	<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>संस्कृति:</b> वे कई तरह के रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों का पालन करते हैं, जैसे- अपने पूर्वजों की पूजा आदि।</li> </ul>
<p><b>सिमिलिपाल बाघ अभयारण्य</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>सुर्खियों में क्यों</b> - देश के सबसे बड़े बाघ अभयारण्यों में से एक सिमिलिपाल बाघ अभयारण्य के अधिकारियों ने हाथियों के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध कराने की पहल के तहत राष्ट्रीय उद्यान में बांस घास उगाने का फैसला किया है।</li> <li>● <b>स्थान:</b> ओडिशा के सबसे उत्तरी भाग में मयूरभंज जिले में स्थित है।</li> <li>● यह ऊंचे पठारों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है।</li> <li>● <b>घोषणा</b> - इसे वर्ष 1956 में 'टाइगर रिजर्व' घोषित किया गया था और 1973 में राष्ट्रीय संरक्षण कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत शामिल किया गया था।</li> <li>● <b>बायोस्फीयर रिजर्व</b> - वर्ष 2009 में यूनेस्को द्वारा बायोस्फीयर रिजर्व के विश्व नेटवर्क के एक हिस्से के रूप में शामिल किया गया था।</li> <li>● भूभाग: ज्यादातर पहाड़ी जिसमें खुले घास के मैदान और जंगली इलाके हैं।</li> <li>● यह दुनिया का एकमात्र परिदृश्य है जो <b>मेलेनिस्टिक बाघों का घर</b> है।</li> <li>● कोल्हा, संथाला, भूमिजा, भटुडी, गोंडा, खड़िया, मांकड़िया और सहारा सहित विभिन्न जनजातियों का घर।</li> </ul>

